RNI-NO.MPHIN/2015/64585

रणजीत टाइम्स

साप्ताहिक अख़बार

संपादक-गोपाल गावंडे

वर्ष - 10 अंक-22 इन्दौर , प्रति मंगलवार, 20 जून से 26 जून 2023 पृष्ठ-8 मूल्य -2

आईपीएस रवि सिन्हा बने रॉ के प्रमुख, 30 जून को पूरा होगा सामंत गोयल का कार्यकाल

आईपीएस अधिकारी रवि सिन्हा को रिसर्च एंड एनालिसिस विंग का नया प्रमुख नियुक्त किया गया है। आईपीएस अधिकारी रवि सिन्हा 30 जून को अपना कार्यभार संभालेंगे। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। फिलहाल सामंत गोयल रॉ प्रमुख हैं।

नई दिल्ली, पीटीआई। आईपीएस अधिकारी रवि सिन्हा को रिसर्च एंड एनालिसिस विंग का नया प्रमुख नियुक्त किया गया है। आईपीएस अधिकारी रवि सिन्हा 30 जून को अपना कार्यभार संभालेंगे। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। फिलहाल सामंत गोयल रॉ प्रमुख हैं।

रॉ के अगले प्रमुख बने रवि सिन्हा

कार्मिक मंत्रालय के एक आदेश में कहा गया है कि वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी रवि सिन्हा को सोमवार को भारत की खुफिया एजेंसी रॉ का नया प्रमुख नियुक्त किया गया।

जानकारी के मुताबिक, छत्तीसगढ़ कैडर के 1988 बैच के भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) अधिकारी सिन्हा वर्तमान में कैबिनेट सचिवालय में विशेष सचिव के पद पर कार्यरत हैं।

कैबिनेट ने नियुक्ति को दी मंजूरी

मंत्रालय के आदेश में कहा गया कि कैबिनेट की नियुक्ति समिति ने दो साल के कार्यकाल के लिए सिन्हा को रॉ के नए प्रमुख के रूप में नियुक्ति को मंजूरी दे दी है।

30 जून को संभालेंगे पदभार

बता दें कि सिन्हा ने सामंत कुमार गोयल की जगह ली है, जो 30 जून, 2023 को अपना कार्यकाल पूरा करेंगे।

गीता प्रेस को गांधी शांति पुरस्कार दिए जाने के विरोध पर डॉ कुमार विश्वास की कड़ी प्रतिक्रिया

गीता प्रेस को गांधी शांति पुरस्कार से सम्मानित किए जाने पर छिड़ी सियासत के बीच मशहूर कवि डॉ कुमार विश्वास का बयान भी सामने आया है, जानिए उन्होंने क्या कहा?

गोरखपुर की गीता प्रेस को साल 2021 का गांधी शांति पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा. जिसे लेकर सियासत तेज हो गई है। जहां कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने इस फैसले का विरोध किया तो वहीं अब इस पर मशहूर कवि डॉ कुमार विश्वास की भी प्रतिक्रिया सामने आई हैं. कुमार विश्वास ने गीता प्रेस को ये सम्मान दिए जाने का समर्थन करते हुए फैसले का स्वागत किया है. उन्होंने कहा कि ऐसी प्रेस के लिए विषैले शब्द बोलना ठीक नहीं है।

कांग्रेस नेता जयराम रमेश के विरोध पर डॉ कुमार विश्वास ने बिना नाम लिए निशाना साधा है. उन्होंने जयराम रमेश के बयान पर एबीपी न्यूज की खबर को शेयर करते हुए ट्वीट किया और कहा, पूज्य हनुमान प्रसाद पोद्दार जी व अन्य महापुरुषों द्वारा उत्प्रेरित गीता प्रेस जैसा महान प्रकाशन, दुनिया के हर सम्मान के योग्य है. करोड़ों-करोड़ आस्तिकों के परिवारों तक न्यूनतम मूल्य में सनातन-धर्म के पूज्य ग्रंथ उपलब्ध कराना महान पुण्य-कार्य है. ऐसी प्यारी संस्था के लिए यह विष-वमन उचित नही।

जयराम रमेश ने जताई फैसले पर आपत्ति

दरअसल गीता प्रेस हिन्दू धार्मिक ग्रंथों की दुनिया की सबसे बड़ी पब्लिशर है. इस प्रेस की स्थापना जय दयाल गोयनका, हनुमान प्रसाद पोद्दार और घनश्याम दास जलान ने साल 1923 में गोरखपुर में की गई थी. इस साल इस प्रेस ने पूरे सौ साल कर लिए हैं. ऐसे में गीता प्रेस को ये सम्मान अहिंसक और अन्य गांधीवादी तरीकों से सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक परिवर्तन की दिशा में उत्कृष्ट योगदान के लिए दिए जाने का फैसला किया गया है. लेकिन इस फैसले पर सियासत भी तेज हो गई है. कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने गीता प्रेस को गांधी शांति पुरस्कार दिए जाने की तुलना सावरकर और गोडसे से की है।

गीता प्रेस में 14 भाषाओं में 41.7 करोड़ किताबों का प्रकाशन किया है, जिनमें 16.21 करोड़ श्रीमद भगवद गीता पुस्तकें शामिल हैं। खास बात ये है कि इस संस्था ने पैसा कमाने के लिए कभी भी अपने प्रकाशनों के लिए विज्ञापन नहीं लिए. यही नहीं गांधी शांति पुरस्कार के साथ ही गीता प्रेस को एक करोड़ रुपये की राशि से सम्मानित किया जाना है, लेकिन मैनेजमेंट ने एक करोड़ की सम्मान राशि स्वीकार करने से इनकार कर दिया है।

जीतन राम मांझी ने किया नीतीश सरकार से समर्थन वापस लेने का ऐलान, अब अमित शाह से करेंगे मुलाकात

हम ने महागठबंधन से समर्थन वापस लेने का किया ऐलान राज्यपाल से मुलाकात कर समर्थन वापसी की करेंगे औपचारिक घोषणा आज ही दिल?ली रवाना होंगे जीतन राम मांझी और संतोष सुमन, होनी है अमित शाह से मुलाकात सभी विकल्प खुले होने की बात कर रहे मांझी, लेकिन एनडीए के अलावा कोई विकल्प नहीं है पास

पटना। हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा की कार्यकारिणी की बैठक समाप्त हो गई है। इस बैठक में महागठबंधन से पार्टी का समर्थन वापस लेने पर सहमति बनी है। हिंदुस्तान हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष संतोष सुमन ने कहा कि जीतन राम मांझी और वह खुद आज दिल्ली जाएंगे और नई संभावनाओं पर विचार करेंगे। साथ ही दिल?ली में एनडीए के नेताओं से भी मुलाकात करेंगे। उन्?होंने कहा कि वो खुले मन से नए संभावनाओं पर विचार कर रहे हैं। एनबीटी डॉट कॉम ने इस बात की सूचना अपने पाठकों को पहले ही दे दी थी। इसके बाद संतोष सुमन ने कहा कि हमारे लिए सभी विकल्प खुले हुए हैं। हम सभी विकल्पों पर विचार कर रहे हैं। संतोष मांझी ने कहा कि किसी निर्णय पर पहुंचने से पहले हम सभी पार्टियों के साथ विचार करेंगे।

इंडिगो ने 500 एयरबस प्लेन खरीदने के लिए की मेगा डील, एयर इंडिया भी दे चुकी है ऐसा ऑर्डर

डील के बाद एयरबस की ओर से कहा गया है कि बाजार हिस्सेदारी के हिसाब से भारत की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो ने 500 ए320 फैमिली विमानों की खरीदारी के लिए एक बड़ा ऑर्डर दिया है। यह ऑर्डर वाणिज्यिक विमानन के इतिहास में सबसे बड़ा एकल खरीद समझौता है।

इंडिगो ने 500 एयरबस प्लेन खरीदने केलिए मेगा डील की है। रिपोर्ट्स के अनुसार इंडिगो बोर्ड की ओर से 50 अरब डॉलर का एयरक्राफ्ट खरीदने की मंजूरी दे दी गई है। इस मंजूरी के बाद इंडिगो सबसे बड़ी एयरक्राफ्ट डील करने वाली कंपनी बन गई है। विमानन कंपनी की ओर से डील की जानकारी देते हुए कहा गया है कि इंडिगो ने 500 एयरबस ए320 फैमिली विमानों का ऑर्डर दिया है।

ऑर्डर किए गए नए विमानों के हासिल होने से एयरलाइन को मिलेगी स्थिरता

यह ऑर्डर एयरलाइन को 2030 और 2035 के बीच विमानों की डिलिवरी के बाद स्थिरता प्रदान करेगा। इंडिगो यह 500 विमानों का ऑर्डर न केवल इंडिगो का सबसे बड़ा ऑर्डर है, बल्कि एयरबस के साथ किसी भी एयरलाइन की ओर से किया गया अब तक का सबसे बड़ा एकल विमान खरीद भी है।

समझौते के बाद इंडिगो की ओर से ऑर्डर किए गए विमानों की कुल संख्या 1330 हुई

डील के बाद एयरबस की ओर से कहा गया है कि बाजार हिस्सेदारी के हिसाब से भारत की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो ने 500 ए320 फैमिली विमानों की खरीदारी के लिए एक बड़ा ऑर्डर दिया है। यह ऑर्डर वाणिज्यिक विमानन के इतिहास में सबसे बड़ा एकल खरीद समझौता है। इस समझौते के बाद इंडिगो की ओर से ऑर्डर किए गए एयरबस विमानों की कुल संख्या 1,330 हो गई है।

पेरिस एयर शो 2023 के दौरान डील हुई फाइनल

इस डील ने दुनिया के सबसे बड़े ए320 फैमिली ग्राहक के रूप में इंडिगो को स्थापित किया है। पेरिस एयर शो 2023 के दौरान इंडिगो के प्रमोटर और प्रबंध निदेशक राहुल भाटिया, इंडिगो के अध्यक्ष और गैर-कार्यकारी स्वतंत्र निदेशक डॉ वेंकटरमणी सुमंत्राण, इंडिगो के सीईओ पीटर एल्बर्स, एयरबस के सीईओ गुइलाउम फाउरी और एयरबस के मुख्य वाणिज्यिक अधिकारी और अंतर्राष्ट्रीय प्रमुख क्रिश्चियन शेरर ने ऐतिहासिक खरीद समझौते पर हस्ताक्षर किए।

दहशतगर्दी सुरक्षाबलों के लिए बनी

जम्मू-कश्मीर घाटी में दहशतगर्दी पर पूरी तरह रोक नहीं लग पाई है। जम्मू-कश्मीर में दहशतगर्दों के मंसूबे पूरी तरह पस्त कर पाना अब भी सुरक्षाबलों के लिए बड़ी चुनौती है। मगर पिछले हफ्ते कुपवाड़ा और अनंतनाग में जिस तरह सेना ने बड़ी कामयाबी हासिल की उससे जरूर उनकी साजिशों को पलीता लगा है। शुक्रवार को कुपवाड़ा में पांच विदेशी आतंकवादियों को मार गिराया। उसी दिन अनंतनाग से पांच आतंकी गिरफ्तार किए गए, जो सभी स्थानीय थे।

इससे दो दिन पहले कुपवाड़ा में ही दो आतंकियों को मार गिराया गया था। इसके पहले भी पिछले दो महीनों में कई आतंकियों को मुठभेड़ में मारा जा चुका है। इन कार्रवाइयों से स्पष्ट है कि सेना घाटी में दहशतगर्दों के सफाए को लेकर मुस्तैदी से काम कर रही है। इससे यह भी उम्मीद बनती है कि आतंकवादियों का मनोबल काफी कमजोर हुआ होगा।

मगर यह पहली बार नहीं है जब सेना ने इतने कम अंतराल में आतंकियों को मार गिराया या गिरफ्तार किया। वहां पिछले आठ-नौ सालों से गहन तलाशी अभियान चला कर दहशतगर्दों और उन्हें मदद पहुंचाने वालों की पहचान की जा रही है। उनके खिलाफ कार्रवाइयां भी हुई हैं। मगर फिर भी घाटी में दहशतगर्दी पर पूरी तरह रोक नहीं लग पाई है। बल्कि थोड़-थोड़े अंतराल पर वीभत्सतम साजिशों को अंजाम देने में भी कामयाब होते रहे हैं।

ताजा घटना में मारे गए सभी आतंकवादी विदेशी यानी पाकिस्तानी मूल के बताए जा रहे हैं। भारी बारिश और तूफान के बीच वे सुरक्षा इंतजामों को चकमा देकर सीमा पार करने की कोशिश कर रहे थे। दहशतगर्द ऐसी ही परिस्थितियों की ताक में रहते हैं। वे सीमापार प्रशिक्षण लेते, वहां से आकर यहां साजिशों को अंजाम देते और स्थानीय युवाओं को अपने साथ जोड़ने की योजनाएं चलाते हैं।

सीमा पर अत्याधुनिक निगरानी तंत्र के जरिए लगातार चौकसी बरती जाने का दावा किया जाता है। पड़ोसी देश में सीमा से लगे इलाकों में चल रहे दहशतगर्द शिविरों पर भी नजर बनाए रखने का दावा किया जाता है। इस तरह सीमा पार से घुसपैठ कम होने का उल्लेख किया जाता है। ताजा घटना से इस चौकसी का प्रमाण भी मिलता है। मगर फिर वही सवाल कि आखिरकार घुसपैठ पर पूरी तरह रोक क्यों और कैसे नहीं लग पाई है।

घाटी में आतंकी संगठनों के पास अत्याधुनिक साजो-सामान और वित्तपोषण कहां से पहुंच रहा है। जबकि सड़क के रास्ते दोनों देशों के बीच व्यापार भी बंद है, घाटी में मौजूद ज्यादातर ऐसे लोगों को जेलों में डाला जा चुका है, जो आतंकवादियों को वित्तीय मदद पहुंचाया करते थे।

बड़ी उपलब्धि केवल यह नहीं है कि सेना कितने दहशतगर्दों को मार गिराती है। बड़ी चिंता की बात यह है कि घाटी में दहशतगर्दी खत्म होने के बजाय और जड़ें क्यों जमाती गई है। अनंतनाग से पकड़े गए पांच आतंकवादियों से एक बार फिर जाहिर हुआ है कि स्थानीय युवाओं में हथियार उठाने को लेकर कोई हिचक नहीं है।

खुद सरकारी आंकड़ों के मुताबिक घटी में उस दौरान भी आतंकवादी संगठनों में कश्मीरी युवाओं की भर्ती न सिर्फ जारी रही, बल्कि कुछ बढ़ी हुई ही दर्ज की गई, जब अनुच्छेद तीन सौ सत्तर हटने के बाद पूरे जम्मू-कश्मीर में कर्फ्यू था, संचार सेवाएं ठप थीं। सबसे बड़ी चिंता की बात यही है कि आखिर कश्मीरी युवाओं को हाथों में हथियार उठाने से रोकने में कामयाबी नहीं मिल पा रही। जब तक स्थानीय लोगों का दहशतगर्दों को समर्थन नहीं रुकेगा, तब तक वहां अमन-चैन का माहौल कायम करना मुश्किल होगा।

संपादक-
गोपाल गावंडे

ये बंगाल है जहां हिंसा आम और 'खूनी बारिश' हर चुनाव से पहले होती है, डराता है इतिहास

पश्चिम बंगाल इस समय पंचायत चुनाव की तैयारी कर रहा है। वो चुनाव जो आठ जुलाई को होने जा रहे हैं और 11 जुलाई को जिसके नतीजे आएंगे। अभी चुनाव में कुछ समय बाकी है, सिर्फ नामांकन प्रक्रिया शुरू की गई है। लेकिन जैसा इस राज्य का इतिहास है, इसने एक बार फिर चुनावी मौसम में अपना हिंसक मोड ऑन कर लिया है। हर तरफ तनाव की स्थिति है।

बंगाली लोगों के लिए आम हो गई हिंसा!

सिर्फ एक हफ्ते का आंकड़ा बताता है कि 6 लोगों की हत्या की जा चुकी है, कई जख्मी हैं और पुलिस का लाठीचार्ज तो रोज हो रहा है। हालात ऐसे बन गए हैं कि कोलकाता हाई कोर्ट को आदेश देना पड़ा कि सभी मतदान केंद्रों पर केंद्रीय बलों की तैनाती की जाए। इस सब के बावजूद भी बवाल थमने का नाम नहीं ले रहा है। इस हिंसा में हथियार हैं, बम विस्फोट हैं, पथराव है, आगजनी है और एक दूसरे पर आरोप लगाने वाली राजनीति चल रही है। लेकिन बंगाल का जैसा इतिहास है, जैसे यहां के हालात हैं, लोग इसे आम मानने लगे हैं।

बंगाल की राजनीति को लेकर कहा जाता है कि यहां जो सरकार में होता है, वो अपनी सत्ता बचाने के लिए कई मौकों पर हिंसा का सहारा लेता है। वहीं जो विपक्ष में बैठा होता है, वो सत्ता पर काबिज होने के लिए हिंसा करता है। यानी कि ये हिंसा रुकती नहीं, बस पार्टियां बदल जाती हैं, मौके बदल जाते हैं, लेकिन ये रक्त चरित्र जारी रहता है। इस रक्त चरित्र के सबूत वो आंकड़े हैं जो एनसीआरबी ने कई मौकों पर जारी किए हैं, सदन में भी नेताओं द्वारा अलग-अलग आंकड़े दिए गए हैं।

आंकड़ा नंबर 1- 2021 में बंगाल में सांप्रदायिक हिंसा के 30 मामले सामने आए

आंकड़ा नंबर 2- 2022 में बंगाल में सांप्रदायिक हिंसा के 35 मामले सामने आए

आंकड़ा नंबर 3- 2018 में बंगाल में 12 राजनीतिक हत्याए हुई

आंकड़ा नंबर 4- 1999 से 2016 के बीच रोज 20 राजनीतिक मौतें हुई

आंकड़ा नंबर 5- 2009 में सर्वाधिक 50 राजनीतिक हत्या की गई

आजादी से पहले हिंसा, बंटवारे के बाद हिंसा

सरल शब्दों में ये भी कहा जा सकता है कि बंगाल में सरकार कांग्रेस की रही, तब हिंसा थी, लेफ्ट की सरकार आई, तब खूब हिंसा हुई और अब जब टीएमसी का राज है, तो फिर खूनी संघर्ष सड़कों पर चल रहा है। वैसे बंगाल में हिंसा का इतिहास तो आजादी से भी कई साल पुराना है। फिर चाहे 1770 में आकाल और उसके बाद हुईं हत्याओं का सिलसिला रहा हो या फिर 1880 में अकाल के बाद देखी गई हिंसा। सबसे ज्यादा चर्चित तो बंटवारे वाले दंगे रहे जिसमें कहा जाता है कि लाखों लोगों की जान चली गई थी।

कांग्रेस का राज, लेफ्ट का संघर्ष और खूनी राजनीति

बंगाल में राजनीतिक लड़ाई की बात करें तो 1957 के वक्त वहां कांग्रेस बनाम सीपीआई का मुकाबला था। कांग्रेस सरकार में थी, सीपीआई, तब केरल में अपनी पहली सरकार बना चुकी थी, ऐसे में बंगाल में पैठ जमाने की तैयारी थी। अब बंगाल की सियासत की फितरत ही ऐसी रही कि कांग्रेस को उखाड़ फेंकने के लिए लेफ्ट ने उस दौर में अनाज और भूमि वितरण को लेकर राज्य में बड़ा आंदोलन किया। ऐसा आंदोलन की लाखों लोग इकट्ठा हो गए। कांग्रेस डर गई, लेफ्ट की बढ़ती ताकत ने सत्ता हाथ से जाने की संभावना बढ़ा दी थी।

ऐसे में उस विशाल प्रदर्शन को रोकने के लिए पुलिस ने अंधाधुंध फायरिंग कर दी, नतीजा ये रहा कि 80 लोगों की मौत हो गई। इसके बाद 1960 का दौर आया, जब नक्सलवाद की शुरुआत हुई, धरती बंगाल की थी, लेकिन आने वाले सालों में इसका प्रभाव पूरे देश पर पड़ने वाला था। 1967 में पहली बार सीपीएम गठबंधन की सरकार बनी थी। लेकिन इस सरकार से किसानों का एक वर्ग नाराज था। उसने हथियार उठा लिए थे, जमींदारों को सबक सिखाने की बात हो रही थी।

नक्सलवाद का जनक बंगाल, देश पर पड़ा असर

असल में कहने को लेफ्ट की सरकार थी, लेकिन आरोप ये लगे कि सरकार में आने के बाद विचारधारा से समझौता हो गया। इसी वजह से किसानों का वो गुट हिंसक हो गया। वो चीन के कम्युनिस्ट नेता माओ त्से तुंग से प्रभावित था। हिंसा के बल पर अपने अधिकार चाहता था। इसी वजह से इन्हें माओवादी कहा जाने लगा था। वहीं क्योंकि पहली चिंगारी इस आंदोलन की नक्सलवाड़ी से उठी, ऐसे में बाद में नक्सलवाद का नाम भी इसी पर पड़ गया। यानी कि पश्चिम बंगाल की भूमिका ही इस नक्सलवाद में भी रही।

जानकार बताते हैं कि ये वो दौर था जब रोज बंगाल में हत्याएं होती थीं, मौत का आंकड़ा बढ़ता रहता था। अब ये कहना कि उस हिंसा के लिए पूरी तरह सीपीएम जिम्मेदार रही, ये सही नहीं। असल में आजादी के तुरंत बाद कम्युनिस्ट सर्वहारा क्रांति चाहते थे, चीन से पूरी तरह प्रभावित थे, ऐसे में हथियारबंद संघर्ष की बात होती थी। लेकिन फिर सीपीआई ने खुद को हिंसा से दूर कर लिया। उसने कहा जब लोगों के पास कोई दूसरा विकल्प नहीं बचेगा, तब वो हिंसा का रास्ता अपना सकते हैं। लेकिन सीपीआई का राजनीति में सक्रिय होना कई को रास नहीं आया और इसी वजह से ये पार्टी कई गुट में बंट गई। ये कई गुट ही हिंसा फैलाने वाले रहे।

इसके बाद 1972 में बंगाल में फिर चुनाव हुए, कांग्रेस की वापसी हुई, लेकिन हिंसा चरम पर पहुंच गई। उस दौर में सिद्धार्थ शंकर रे मुख्यमंत्री थे. आरोप लगता है कि उस चुनाव में बड़े स्तर पर धांधली हुई थी। विपक्ष को खत्म करने का प्रयास हुआ था, कई हत्याएं हुई थीं। इसके बाद देश में आपातकाल लग गया और तब हिंसा बंगाल में और ज्यादा बढ़ गई।

ममता बनर्जी पर जानलेवा हमला, खूनी राजनीति का प्रमाण

फिर आया साल 1977 जब लेफ्ट की पूर्ण बहुमत वाली पहली सरकार बनी और जो 34 सालों तक सत्ता पर काबिज भी रही। उन 34 सालों में बंगाल ने राजनीतिक हिंसा के कई दौर देखे। शुरुआत में मुकाबला कांग्रेस से रहा, लेकिन बाद में कांग्रेस से ही निकली ममता बनर्जी की टीएमसी ने टक्कर देने का काम किया। बड़ी बात ये है कि जिन ममता बनर्जी पर हिंसा करवाने का आरोप लग रहा है, साल 1990 में वे खुद बंगाल की इसी खूनी हिंसा का शिकार हुई थीं। उस समय ममता कांग्रेस की ही युवा नेता थीं। खाद्य तेल में मिलावट के चलते मौतें और बसों के बढ़े दाम का पूरे राज्य में विरोध किया जा रहा था।

इसी कड़ी में हाजरा में ममता एक रैली के लिए जा रही थीं। लेकिन वहां कम्युनिस्ट पार्टी के कथित गुंडे लालू आलम ने ममता पर रॉड से हमला कर दिया। उनका सिर फोड़ दिया गया, ममता लहूलुहान हो गईं और उन्हें गंभीर चोटें आईं। इसके बाद राजनीतिक हिंसा का दौर कभी नहीं थमा। एक साल बाद 1991 में फिर लेफ्ट की वापसी हुई, प्रचंड बहुमत मिला,लेकिन कांग्रेस ने धोखाधड़ी का आरोप लगा दिया।

इंदौर में पकड़ाया BSF का नकली हवलदार

परिवार को सेल्फी भेजने खरीदी थी वर्दी, भर्ती रैली में मेडिकल में हो गया था फेल

इंदौर में BSF के अफसरों ने एक नकली हवलदार को पकड़ा है। वह मेडिकल में फेल हो गया था। यह बात वह परिवार के लोगों को नही बता पा रहा था। परिवार के लोगों को वर्दी में सेल्फी भेजने के लिए उसने पुलिस स्टोर से ड्रेस खरीदी और सेल्फी लेने ब्रस्त्र परिसर पहुंचा। लेकिन यहां गेट पर ही उससे पूछताछ कर ली गई। जानकारी ठीक से नहीं देने के चलते उसे थाने लेकर आया गया। जहां उसने इस बात का खुलासा किया। एरोड्रम थाने के एसआई उमा शंकर यादव ने बताया कि बंटी पुत्र प्रह्लाद रैगर निवासी जयपुर राजस्थान के खिलाफ धारा 170,171 में केस दर्ज किया गया है। बंटी बीएसएफ के सीएसडब्लूटी कैंपस में सेल्फी लेने पहुंचा था। जब वहां मौजूद स्टाफ के लोगों ने उससे पूछताछ करते हुए आईडी कार्ड मांगा तो वह नहीं दे पाया। बाद में उसे कैंपस में पूछताछ करने के लिए ले जाया गया और बाद में पुलिस के सुपुर्द कर दिया।

घर वालों को भेजना थी सेल्फी

अभी तक पुलिस की जांच में सामने आया है कि बंटी ने कुछ माह पहले हुई बीएसएफ भर्ती की एग्जाम दी थी। जिसमें वह लिखित एग्जाम में तो पास हो गया था। लेकिन मेडिकल एग्जाम में वह फेल हो गया था। वह इंदौर में रहकर काफी समय से एग्जाम की तैयारी कर रहा था। लेकिन वह इसमें सफल नही हो पा रहा था। रविवार को उसने वर्दी खरीदी थी। वर्दी में सेल्फी लेकर परिवार के लोगों को भेजने वाला था, जिससे उन्हें यह बता सके कि उसकी नौकरी लग गई है। लेकिन उसके पहले ही वह पकड़ा गया।

12 लाख रुपये की रिश्वत लेने वाले इंजीनियर को कोर्ट ने भेजा जेल

इंदौर। बकाया भुगतान जारी करने के एवज में 12 लाख रुपये रिश्वत लेने वाले कार्यपालन यंत्री राकेश कुमार सिंघल को इंदौर के विशेष न्यायालय ने सोमवार को जेल भेज दिया। आरोपित ने रिश्वत के 50 हजार रुपये नकद लिए थे, जबकि शेष रकम का उसने चेक लिया था। सोमवार को लोकायुक्त ने आरोपित के खिलाफ विशेष न्यायालय में चालान प्रस्तुत किया। आरोपित ने जमानत के लिए आवेदन दिया था, जिसे न्यायालय ने खारिज करते हुए उसे जेल भेज दिया।

8 नवंबर 2021 को आरडी ग्रुप एण्ड इंफ्रास्ट्रक्चर के रविश मंत्री ने लोकायुक्त पुलिस को शिकायत की थी। इसमें कहा था कि आवेदक की फर्म ने इंदौर एवं उज्जैन संभाग के सामुदायिक/प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में नलकूप खनन किए थे। इस काम का बिल एक करोड़ 74 लाख रुपये हुआ था। इसमें से एक करोड़ पांच लाख रुपये का भुगतान हो चुका था। शेष राशि के भुगतान के लिए आरोपित राकेश कुमार सिंघल, कार्यपालन यंत्री, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन कार्यालय क्षेत्रीय संचालक, स्वास्थ्य सेवाएं आवेदक से 12 लाख रुपये की रिश्वत मांग रहा था।

पुड़िया में थी एमडी, तस्कर और खरीददार पकड़ाए

इंदौर। कार में रखी पुडिया को जब पुलिसकर्मियों ने खोलकर देखा तो उसमें 6 ग्राम एमडी ड्रग्स निकली। मामले में तस्कर और खरीदार दोनों को हिरासत में लेकर उनसे पूछताछ की जा रही है।

जानकारी के अनुसार विजयनगर थाने के खुफिया सिपाही धर्मेंद्र शर्मा क्षेत्र में घूम रहे थे। अंधेरे में सिपाही को दो युवक दिखे। पूछताछ में दोनों सकपका गए। शंका बढ़ते ही धर्मेंद्र ने बीट के दो पुलिसकर्मियों अतुल गुप्ता और नागेंद्र सेंगर को बुला लिया। पूछताछ में एक ने अपना नाम संदीप परमार निवासी राजस्थान और दूसरे ने जफर निवासी आजाद नगर बताया। संदीप की कार की तलाशी मनें छह ग्राम एमडीएमए ड्रग्स की पुडिया मिली। पुलिसकर्मी तत्काल दोनों को थाने ले गए। जंहा संदीप ने बताया कि ड्रग्स का आदी है अरौ जफर से लेने आया था।

पूछताछ के बाद तीसरा भी पकड़ाया

जफर ने बताया कि आजाद नगर के सद्दाम से ड्रग्स लेता है। पुलिस ने उसे भी आजाद नगर क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया । पूछताछ में सद्दाम ने बताया कि आजाद नगर क्षेत्र के तस्कर जफर से ड्रग्स खरीददता था जो 15 दिन पहले गिरफ्तार हुआ और जेल में है। संदीप ने बताया राजस्थान से आकर कोणार्क होटल में रूका है वहीं तस्कर जफर से एमडीएम ड्रग्स खरीदी थी। पुलिस ने तीनों को एनडीपीएस एक्ट का केस दर्ज किया है और आगे की कार्रवाई की जा रही है।

लोडिंग रिक्शा चुराने वाले पकड़ाए

इंदौर। आजाद नगर पुलिस ने लोडिंग रिक्शा चुराने वाले चित्तौड़ के दो चोरों को गिरफ्तार कर उनकी निशानदेही पर गाड़ी जब्त की है वहीं एक पुरानी चोरी का भी खुलासा किया है। विगत चार दिन पूर्व मूसाखेड़ी सर्विस रोड से उद्योग नगर की अरो जाने वाले मार्ग से संदीप पिता दिलीप का एक लोडिंग रिक्शा चोरी चला गया था। बाद मे सीसीटीवी कैमरों से फुटेज निकालने के बाद आरोपियों की खोजबीन की जा रही थी। इस बीच पता चला कि दो युवक बायपास के पास एक लोडिंग रिक्शा को बेचने का सौदाकर रहे हैं। इस पर पुलिस टीम वहां पहुंची और उन्होंने मौके से नारायण पिता रामलाल जाट निवासी चित्तौड और उसके साथी बाबूसिंह को पकड़ा। पुलिस ने बताया कि नारायण पूर्व में तीन इमली ब्रिज के पास पानी पताशे का ठेला लगाता था वहीं पर उसने एक वारदात की थी और फरार हो गया था वहीं बाद में वह अपने साथी बाबू को लेकर यंहा आया था लेकिन पुलिस के हत्थे चढ गया इनसे पूछताछ की जा रही है कुछ और वारदातों का खुलासा होने की उम्मीद है।

बेटे ने की थी किसान की हत्या

खेत में मिला था शव,आरोपी हिरासत में

इंदौर। देपालपुर इलाके में एक किसान की हत्या के मामले में पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लिया है। आरोपी किसान का बेटा है, जिसने रुपयों के विवाद में अपने ही पिता को मौत के घाट उतार दिया था। आरा

दो दिन पहले घर से खेत पर काम करने गए किसान की किसी ने बेरहमी से पत्थर से सिर कुचलकर हत्या कर दी। वह घर से खेत पर काम करने के लिए गया था, लेकिन वापस नहीं लौटा, इस पर परिजन उसे ढूंढते हुए खेत पर पहुंचे तो लाश पड़ी मिली।

पुलिस के अनुसार मृतक 50 वर्षीय बाबूलाल पिता मांगीलाल चौधरी निवासी छोटी कलमेर की हत्या के मामले में उसके बेटे सोहन को हिरासत में लिया है। पहले पुलिस ने बाबूलाल के भाई बहादुर की शिकायत पर अज्ञात आरोपियों पर केस दर्ज किया था। बहादुर ने पुलिस को बताया कि उसका भाई शंकर चौधरी के ग्राम पेमलपुर स्थित खेत पर काम करने के लिए गए थे। जब वह समय पूरा होने के बाद भी वापस नहीं लौटे तो परिजनों ने पहले तो सोचा की कहीं पर रूक गए होंगे, लेकिन रात में भी नहीं आए तो उनकी तलाश करते हुए खेत पर पहुंचे थे, जहां बाबूलाल का शव मिला। चेहरे को पत्थर अथवा किसी भारी वस्तु से कुचला हुआ था।

सूचना मिलते ही पुलिस भी मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल पहुंचाया। पुलिस द्वारा मामले में परिजनों से पूछताछ के साथ रंजिश के बिंदु पर भी जांच की गई। इस दौरान शंका के आधार पर जब सोहन को हिरासत में लेकर सख्ती से पूछताछ की गई तो उसने दो हजार रुपयों के विवाद में हत्या करना कबूला। पुलिस इस मामले में आज अधिकृत खुलासा करेगी।

महेश्वर गए ठेकेदार की हत्या!

इंदौर। इंदौर से महेश्वर गए ठेकेदार युवक की हत्या कर दी गई। मृतक का नाम श्याम है। वह आजाद नगर में रहता है। वह महेश्वर के घाट पर नहाने गया था। इस दौरान ग्रामीणों से विवाद हो गया। आरोपी है कि ग्रामीणों ने उसके सिर में पत्थर से वार कर दिया। इससे उसे गहरी चोट आई। उपचार के लिए श्याम के साथी तत्काल एमवाय अस्पताल लेकर पहुंचे। यहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। ग्रामीणों के हमले में श्याम का एक रिश्तेदार भी घायल हुआ है। पोस्टमार्टम कराने के बाद शव परिजनों को सौंपा जाएगा।

बेटी को सांप ने काटा, पिता ने लिया बदला

इंदौर। तिल्लौर इलाके में 4 साल की एक बच्ची की सांप के काटने से मौत हो गई। उसे उपचार के लिए रविवार शाम को एमवाय अस्पताल लाए। यहां डॉक्टरों ने उसे एंटी स्नैक वेनम देकर उपचार शुरू किया। लेकिन शरीर में जहर फैल जाने से उसकी मौत हो गई। परिवार शाम को शव लेकर चले गए। सांप घर में ही बिल बनाकर छुपा हुआ था। जिसे पिता ने निकालकर जिंदा ही जला दिया।

खुडैल पुलिस के मुताबिक घटना रविवार की है। यहां माता-पिता के पास सो रही चार साल की अंजलि को उसके परिजन अस्पताल लेकर पहुंचे। उसे तेज बुखार आ रहा था। अंजलि के परिजनों ने बताया उसे चूहे ने काट लिया था। इसके बाद से ही उसका शरीर गर्म होने लगा।

खुड़ैल के डॉक्टरों ने चेकअप के बाद बताया कि उसे जहरीले जानवर ने काटा है। उसे इंदौर के एमवाय अस्पताल रैफर कर दिया। कुछ देर बाद बच्ची को परिजन एमवाय अस्पताल लेकर पहुंचे। यहां डॉक्टरों ने उपचार के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।

पुलिस के मुताबिक पिता ने घर पहुंचकर चूहे का बिल देखा। यहां खुदाई की तो अंदर से करीब ढाई फीट लंबा सांप छिपा हुआ था। उसे बाहर निकालकर लाठी से मारकर घायल कर दिया। बाद में उसे खेत में ही जला दिया।

पिता के मुताबिक बच्ची हमारे पास सो रही थी। वह रविवार सुबह करीब छह बजे के लगभग रोने लगी थी। उन्हें लगा कि वह नींद में डर गई। उसे सुलाने की कोशिश की तो उसने बताया एक हाथ में दर्द हो रहा है। यहां उसे हाथ में काटने का निशान था। परिवार को लगा कि चूहे ने काटा है। करीब दो घंटे बाद बच्ची को तेज बुखार आया। जिसके बाद उसे लेकर परिजन अस्पताल पहुंचे। अंजलि के परिवार में उसका दो साल का भाई रवि है।

जंगल में महिला से दुष्कर्म का आरोपी पकड़ाया

इंदौर। जंगल में मवेशी चराने गई महिला के साथ डरा-धमकाकर दुष्कर्म करने वाले आरोपी को सिमरोल पुलिस ने गिरफ्तार किया है।

सिमरोल पुलिस ने बताया कि अनुसार पीड़ित महिला ने सूचना दी कि जब वह सुबह के समय बगोदा के जगंल में अपनी गाय को चराने के लिए गई थी तब वहां गांव के रहने वाले विजय भाटिया ने डरा धमकाकर मेरे साथ जबरदस्ती संबंध बनाए और जान से मारने की धमकी दी। पीड़ित महिला की सूचना पर पुलिस ने आरोपी विजय भाटिया निवासी गोदा के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया और उसकी तलाश करते हुए आरोपी विजय को गिरफ्तार कर लिया।

वह चाहती है कि मनुष्य उस स्तर पर जाए जहाँ वे परमेश्वर के राज्य, सदशिव के राज्य में प्रवेश करते हैं जहाँ आनंद है, क्षमा है, वहाँ आनंद है.

[ईश्वर सर्वशक्तिमान]

मनुष्यों के दिलों में परिलक्षित होता है, सभी रचनाओं के बीच वह स्पंदित होता है।. लेकिन वह दालें, स्पंदन प्रिमोर्डियल मदर की ऊर्जा है।. और वह आदि शक्ति की योजनाओं के खिलाफ जाने वाली किसी भी चीज को नष्ट कर सकता है।. आदि शक्ति प्रेम है, वह क्षमा करती है और वह प्यार करती है।. वह अपनी रचना से प्यार करती है।. वह चाहती है कि सृष्टि समृद्ध हो, उसी स्तर तक जाए जिसके लिए इसे बनाया गया था।. वह चाहती है कि मनुष्य उस स्तर पर जाए जहाँ वे परमेश्वर के राज्य, सदशिव के राज्य में प्रवेश करते हैं जहाँ आनंद है, क्षमा है, वहाँ आनंद है। यह सब केवल तभी संभव है जब आप मांग रहे हों, कि आपके पास वहां रहने की जन्मजात इच्छा भी हो।. हमारे भीतर की यह इच्छा प्रधान माँ के प्रतिबिंब के रूप में परिलक्षित होती है।. अब यह इच्छा है और अन्य सांसारिक इच्छाएँ भी हैं जो आपकी चढ़ाई की प्रगति को रोकती हैं।

सहज योग में हमने कभी भी सन्यास को लेने या घर से दूर भागने या उन सभी प्रकार की चीजों के लिए इच्छाओं को दूर करने की कोशिश नहीं की है जो सुझाए गए हैं।. पहली बात यह है कि आप अपनी आत्मा का प्रकाश प्राप्त करते हैं।. आत्मा सदाशिव का प्रतिबिंब है।. उस प्रकाश में वह दिखाता है, वह सिर्फ रास्ता दिखा रहा है।. आत्मा एक प्रकाश की तरह है जो जल रहा है और जो मार्ग दिखा रहा है।. उस मार्ग में आप स्वयं इतने समझदार हो जाते हैं कि आप ज्ञान के प्रकाश में चलते हैं, कि आप धार्मिकता के प्रकाश में चलते हैं, क्योंकि जो कुछ भी विनाशकारी है वह आपकी आत्मा के प्रकाश के माध्यम से देखा जाता है।. आप वह सब छोड़ना शुरू कर देते हैं जो विनाशकारी है।. किसी को भी आपको यह बताने की जरूरत नहीं है: इसे छोड़ दो, वह छोड़ दो।.₹आप स्वयं महसूस करते हैं कि:₹ यह गलत है और हमें हार माननी चाहिए।

यह था, मुझे कहना चाहिए, मनुष्य की अपनी समझ।. क्योंकि ये वे दिन हैं जहां लोग पूरी तरह से भ्रम में हैं।. वे हर समय संघर्ष में रहते हैं यहां तक कि अस्तित्व के लिए भी संघर्ष कर रहे हैं।. इन परिस्थितियों में, सब कुछ विफल हो जाता अगर आपने एक सन्यास लेना शुरू कर दिया होता और फिर हिमालय और उस सब पर जा रहे होते।

यदि आपको जनता के लिए ऐसा करना है, तो कुछ को कट्टरपंथी बनाना होगा और सौभाग्य से मैं यह पता लगाने में सक्षम हूं कि आप अपने अंकुर, अपने बोध को प्राप्त कर सकते हैं।.

अब कुछ लोग जिन्हें बोध प्राप्त होता है, उन्हें कुछ चीजों को समझना पड़ता है क्योंकि जैसा कि आप जानते हैं कि बहुत से लोग हैं जिन्हें बोध हुआ है।. मुझे नहीं पता कि कितने हैं, मैं गिनती नहीं रखता।. लेकिन उनमें जो कमी है वह समर्पण है।. यह कहना शर्मनाक है लेकिन एक तथ्य है।. यह आधुनिक सहजा योग की एकमात्र शर्त है जिसे आपको वास्तव में आत्मसमर्पण करना होगा।. यदि आप अपने मस्तिष्क का उपयोग करना शुरू करते हैं, यदि आप सहजा योग को समझने के लिए अन्य तरीकों का उपयोग करना शुरू करते हैं, तो आप नहीं कर सकते।. आपको आत्मसमर्पण करना चाहिए और - जैसा कि इस्लाम समर्पण के अलावा कुछ भी नहीं है, इस्लाम का अर्थ है आत्मसमर्पण - और यदि वह समर्पण नहीं है, तो परमेश्वर के राज्य में किसी को भी स्थापित करना असंभव है।.

प. पु. श्री माता जी श्री निर्मला देवी।
14 मार्च , 1994।

दिमाग की एक-एक नस को आराम देंगे ये 8 योगाभ्यास, चुटकी में फुर्र हो जाएंगे तनाव-चिंता

आजकल सभी तनाव और चिंता से पीड़ित हैं, दिमाग को शांत करने के लिए आप योग का सहारा ले सकते हैं, जानिए किन योगासन से आपको फायदा मिलेगा।

योग के अनुसार किसी व्यक्ति के मानसिक स्वास्थ्य में उसके भावनात्मक, मनोवैज्ञानिक और सामाजिक भलाई के लिए जरूरी वे सभी तत्व शामिल हैं जो व्यक्ति के विचारों, कार्यों, संबंधों और निर्णय लेने को प्रभावित करते हैं। तनाव, भय, आत्मविश्वास में कमी और तमाम तरह की चिंताएं मानसिक स्वास्थ्य को बिगाड़ सकते हैं।

थोड़ा बहुत चिंता और तनाव तो सामान्य बात है लेकिन जब ये भावनाएं रोजमर्रा की जिंदगी को प्रभावित करने लगे, तो इसे खतरे की घंटी माना जाना चाहिए। 21 जून को अन्तरराष्ट्रीय योग दिवस (International Yoga Day) मनाया जाएगा। जहां तक योग की बात है, योग में ऐसी कई तकनीक हैं जो मन को ठीक करने का तरीका देती हैं, शांति और विश्राम को बढ़ावा देती है।

मत्स्यासन और सेतुबंधासन

इसे करने के लिए सहारे के साथ पीछे की ओर झुकें और सामान्य रूप से सांस लेते हुए हाथों को सिर के ऊपर उठाएं। सेतुबंधासन करने के लिए अपने कंधों, बाहों और पैरों पर अपने वजन को संभालते हुए अपनी पीठ को फर्श से ऊपर उठाएं।

थकान दूर करने के लिए प्राणायाम पश्चिमोत्तानासन और शवासन

इसे करने के लिए पीछे की ओर झुकें और फिर अपने पैर की अंगुलियों को छूने के लिए आगे झुकें, नियमित अभ्यास के साथ धीरे-धीरे इसमें महारत मिल जाती है। शवासन करने के लिए पीठ के बल लेट जाएं। अपने शरीर के विभिन्न हिस्सों पर ध्यान देते हुए 10-15 मिनट के लिए होशपूर्वक आराम करें।

भ्रामरी और कपालभाति

आराम से बैठ जाएं और सांस छोड़ने के साथ भंवरे जैसी गुनगुनाहट करते हुए होठों से कंपन पैदा करें। कपालभाति करने के लिए तेज गति से श्वास लें और छोड़ें, 3 से 5 राउंड अभ्यास करें।

डायाफ्रामिक श्वास और कपाल रंध्र धौति

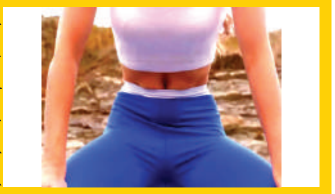

अपने पेट को फैलाते और सिकोड़ते हुए 5-10 राउंड तक गहरी सांस लें। कपाल रंध्र धौति करने के लिए अपने माथे और आंखों के नीचे वाले हिस्से को रगड़ें और कानों के आगे और पीछे की मालिश करें।

गुप्त नवरात्रि में कर लीजिए इन उपायों को, मनोकामना होगी पूरी

आषाढ़ मास के गुप्त नवरात्रि 19 जून से शुरू हो रहे हैं और 28 जून को इनका समापन होगा। गुप्त नवरात्रि में मां आदिशक्ति की दस महाविद्याओं की पूजा होती है। ज्योतिष शास्त्र में गुप्त नवरात्रि में किए जाने वाले कुछ उपाय बताए गए हैं। इन उपायों के करने से सभी कष्ट दूर होते हैं और मनोकामना पूरी होती है।

आषाढ़ मास के गुप्त नवरात्रि प्रारंभ हो चुके हैं। साल भर में चार नवरात्रि आते हैं, जिनमें चैत्र और शारदीय नवरात्रि की पूजा सभी करते हैं, इनको प्रकट नवरात्रि कहा जाता है। इसके अलावा माघ और आषाढ़ मास की नवरात्रि को गुप्त नवरात्रि कहते हैं। गुप्त नवरात्रि में मां दुर्गा की दस महाविद्याओं की पूजा गुप्त रूप से की जाती है। इन नवरात्रि में की जाने वाली पूजा और मनोकामनाओं को गुप्त रखा जाता है। तंत्र मंत्र के साधक गुप्त नवरात्रि में विशेष रूप से साधना करते हैं। ज्योतिष शास्त्र में गुप्त नवरात्रि का महत्व बताते हुए कुछ गुप्त उपाय भी बताए गए हैं, इन उपायों के करने से सभी मनोकामना पूरी होती हैं और जीवन के सभी कष्ट मां आदिशक्ति की कृपा से दूर हो जाते हैं। आइए जानते हैं गुप्त नवरात्रि में किए जाने वाले इन उपायों के बारे में...

इस उपाय से समृद्धि और आनंद में होगी वृद्धि

सुख समृद्धि और सम्मान में वृद्धि के लिए गुप्त नवरात्रि में हर रोज रात में मां दुर्गा के सामने घी का दीपक जलाएं और मां को लाल फूलों की माला चढ़ाएं। इसके साथ ही चांदी की कोई वस्तु मां के श्रीचरणों में अर्पित करें। ऐसा करने से सफलता, खुशी, समृद्धि, आनंद और प्रेम में वृद्धि होती है।

इस उपाय से मां दुर्गा का मिलेगा आशीर्वाद

गुप्त नवरात्रि में हर रोज रात में मां आदिशक्ति की पूजा अर्चना करें और नवरात्रि के पहले दिन 9 गोमती चक्र लेकर मां के पास रख दें। इसके बाद अंतिम दिन की पूजा करने के बाद गोमती चक्र को लाल कपड़े में बांधकर धन के स्थान जैसे अलमारी या तिजोरी में रख दें। ऐसा करने से धन धान्य में वृद्धि होती है और मां दुर्गा की कृपा बनी रहती है।

इस उपाय से होती है उन्नति

गुप्त नवरात्रि में दुर्गा सप्तशती के 12वें अध्याय के 21 बार पाठ करें और लौंग कपूर के साथ आरती करें। नवरात्रि के अंतिम दिन देवी दुर्गा के मंदिर में लाल रंग का झंडा चढ़ाएं। ऐसा करने से घर में खुशियों का आगमन होता है। साथ ही नौकरी व व्यापार में उन्नति होती है और धन प्राप्ति के मार्ग बनते हैं। माता की कृपा से जीवन में कभी किसी चीज की कमी नहीं होती है।

इस उपाय से बनी रहती है सुख शांति

परिवार में सुख-शांति और समृद्धि के लिए गुप्त नवरात्रि के दौरान रात के समय मां आदिशक्ति के सामने घी का दीपक जलाएं और सिंदूर अर्पित करें। साथ ही नौ बताशों में दो लौंग रखें और माता को अर्पित करें। ऐसा करने से तरक्की के रास्ते खुलते हैं और सभी सदस्यों में आपसी प्रेम भी बना रहता है।

इस उपाय से दूर होती है हर परेशानी

जीवन के सभी कष्टों से मुक्ति के लिए नवरात्रि के दौरान रात के समय मां दुर्गा की पूजा कपूर लौंग से आरती करें और %सब नार करहिं परस्पर प्रीति चलहिं स्वधर्म निरत श्रुति नीति% मंत्र का 21 बार हर दिन जप करें। साथ ही हर रोज भैरव बाबा के मंदिर में प्रार्थना करें। ऐसा करने से सभी अड़चन दूर होती हैं और सभी कार्य धीरे धीरे बनने लग जाते हैं।

इस उपाय से घर में मां लक्ष्मी का होता है आगमन

गुप्त नवरात्रि के दौरान 9 दिन तक हवन करें और घी में कमलगट्टों को भिगोकर दुर्गा सप्तशती का पाठ करते हुए आहुति दें। नवरात्रि के अंतिम दिन यानी महानंदा नवमी तिथि के दिन नौ कन्याओं को घर में बुलाकर पूरी-सब्जी के साथ मखाने की खीर का भोग लगाएं और दक्षिणा देकर आशीर्वाद लें। ऐसा करने से मां दुर्गा का आशीर्वाद बना रहेगा और घर में लक्ष्मी का आगमन होगा।

Perfect Investment Opportunity
SATGURU NAGAR
N
PRICE STARTS AT
1111/- SQFT
CALL NOW
8889066688
At Indore- Khandwa Road Near Choral Main road

DON'T WAIT TO BUY LAND
BUY LAND
AND WAIT !!
SATGURU NAGAR
PLOT FOR SALE
NEW OFFERS EVERY WEEK
PLOT SIZE :-
12*50 = 600, SQFT
15*40= 600SQFT
15*50= 750SQFT
20*50= 1000 SQFT
PRICE START
1111/-
SQFT
8889066688
AT INDORE- KHANDWA ROAD
NEAR CHORAL MAIN ROAD

भवानी देवी ने रचा इतिहास, भारत ने पहली बार जीता मेडल

भवानी देवी को सेमीफाइनल मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा, लेकिन इसके बावजूद भवानी देवी ने इतिहास रच दिया है. यह इस प्रतियोगिता में भारत का पहला मेडल है।

सोमवार को भारतीय फेंसर भवानी देवी ने इतिहास रच दिया. दरअसल, भवानी देवी ने चीन के वुक्सी में एशियाई तलवारबाजी चैंपियनशिप की महिला सेबर स्पर्धा का ब्रॉन्ज मेडल जीता. हालांकि, भवानी देवी को सेमीफाइनल मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा, लेकिन इसके बावजूद भवानी देवी ने इतिहास रच दिया. यह इस प्रतियोगिता में भारत का पहला मेडल है।

भवानी देवी को सेमीफाइनल में जेनाब डेयिबेकोवा ने हराया

चीन के वुक्सी में एशियाई तलवारबाजी चैंपियनशिप की महिला सेबर स्पर्धा के सेमीफाइनल मुकाबले में भवानी को उज्बेकिस्तान की जेनाब डेयिबेकोवा ने हराया. इस मुकाबले में जेनाब डेयिबेकोवा ने भवानी को 14-15 से हराया, लेकिन इसके बावजूद भवानी देवी ने इस टूर्नामेंट में भारत के लिए पहला मेडल सुनिश्चित किया. इससे पहले भवानी देवी ने क्वार्टर फाइनल में गत विश्व चैंपियन जापान की मिसाकी एमुरा को 15-10 से हराकर बड़ा अपसेट किया था. दरअसल, मिसाकी के खिलाफ यह भवानी की पहली जीत थी. इससे पहले हर बार जापानी खिलाड़ी ने भारतीय खिलाड़ियों को शिकस्त दी थी।

PAK टीम की उम्मीदों पर फिर गया पानी! वर्ल्ड कप को लेकर सामने आया बहुत बड़ा अपडेट

एशिया कप को लेकर क्च्ष्टद्ध और पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने हाइब्रिड मॉडल के तहत खेलने पर सहमति दे दी है. इस बीच पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने वर्ल्ड कप को लेकर एक अड़ंगा लगाया था. इसी पर अब एक बड़ा अपडेट सामने आया है.

एशिया कप की मेजबानी पकिस्तान क्रिकेट बोर्ड को ही सौंपी गई है. हालांकि, यह टूर्नामेंट हाइब्रिड मॉडल के तहत खेला जाएगा. यानी चार मुकाबले पाकिस्तान में, बाकी बचे 9 मैच श्रीलंका में खेले जाएंगे. भारत अपने सारे मैच श्रीलंका में ही खेलेगा. इस बीच वर्ल्ड कप को लेकर पाकिस्तान की ओर से वर्ल्ड कप में होने वाले अफगानिस्तान और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मैच के वेन्यू को बदलने की गुजारिश की गई थी. इसी को लेकर एक बड़ा अपडेट सामने आया है.

वर्ल्ड कप को लेकर PAK की थी ये मांग

भारत में इस साल के अंत में होने वाले वनडे वर्ल्ड कप को लेकर क्च्ष्टद्ध ने पहले ही ड्राफ्ट शेड्यूल द्धष्टष्ट को सौंप दिया है, लेकिन मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक पाकिस्तान इसमें अड़ंगा लगा रहा है. जिसकी वजह से वर्ल्ड कप शेड्यूल के ऐलान में देरी हो रही है. पिछले दिनों पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड की तरफ से एक गुजारिश की गई थी जिसमें कहा गया था कि ऑस्ट्रेलिया और अफगानिस्तान के खिलाफ टीम के खेले जाने वाले मैचों के वेन्यू को बदल दिया जाए. गौरतलब है कि ड्राफ्ट शेड्यूल के मुताबिक पाकिस्तान को चेन्नई के एम चिंदबरम यानी चेपॉक स्टेडियम में अफगानिस्तान के खिलाफ मैच खेलना है, जबकि बैंगलोर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मैच खेलना है. इसी को लेकर अब पाकिस्तान की उम्मीदों पर पानी फिरता नजर आ रहा है.

सामने आया ये बड़ा अपडेट

न्यूज एजेंसी पीटीआई की एक रिपोर्ट में कहा गया था कि पाकिस्तान चाहता है कि उसका बेंगलुरु में होने वाला मुकाबला चेन्नई शिफ्ट कर दिया जाए, जबकि चेन्नई में होने वाले मुकाबले को बेंगलुरु शिफ्ट कर दिया जाए. इसी को लेकर एक अपडेट सामने आया है. पीटीआई ने बताया है कि क्च्ष्टद्ध के एक सूत्र ने यह कंफर्म कर दिया है कि वर्ल्ड कप में वेन्यू को लेकर किसी तरह से बदलाव की उम्मीद नहीं है. इसलिए पाकिस्तान को अफगानिस्तान के खिलाफ चेन्नई के चेपॉक स्टेडियम में मैच खेलना होगा.

आदिपुरुष विवाद के बावजूद 300 करोड़ के क्लब में

मुंबई में हिंदू संगठन ने शो रुकवाया, मनोज मुंतशिर ने पुलिस से सुरक्षा मांगी

प्रभास और कृति सेनन स्टारर फिल्म 'आदिपुरुष' पर जहां एक तरफ जमकर विवाद हो रहा है, वहीं दूसरी तरफ यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर हर दिन नए रिकॉर्ड बना रही है। पहले दिन वर्ल्डवाइड 140 करोड़ और दूसरे दिन 100 करोड़ की कमाई करने के बाद अब तीसरे दिन इस फिल्म ने फिर से 100 करोड़ रुपए का कलेक्शन किया है। इसके साथ ही फिल्म ने फर्स्ट वीकेंड पर 340 करोड़ रुपए वर्ल्डवाइड कमाकर इतिहास रच दिया है। इस बीच फिल्म के डायलॉग राइटर मनोज मुंतशिर ने मुंबई पुलिस से सुरक्षा देने की मांग की, इस पर पुलिस ने उन्हें सुरक्षा देने का फैसला किया है। उन्होंने कहा है कि विवाद के बाद उन्हें खतरा है।

नहीं तोड़ पाई 'पठान' का रिकॉर्ड

शाहरुख खान स्टारर 'पठान' के बाद आदिपुरुष मात्र 3 दिनों में 300 करोड़ के क्लब में शामिल होने वाली दूसरी फिल्म बन गई है। हालांकि इस क्लब में एंट्री करने के बाद भी यह फिल्म 'पठान' के फर्स्ट वीकेंड कलेक्शन का रिकॉर्ड नहीं तोड़ पाई। जहां 'पठान' ने फर्स्ट वीकेंड में 351 करोड़ रुपए का वर्ल्डवाइड कलेक्शन किया था वहीं 'आदिपुरुष' इससे 11 करोड़ रुपए पीछे रह गई।

थिएटर में नारेबाजी, मॉल में हनुमान चालीसा का पाठ किया, मुंतशिर का पुतला जलाया,मुंबई के नालासोपारा में हिंदू संगठन के कार्यकर्ताओं ने रविवार शाम फिल्म का शो रुकवा दिया। उन्होंने थिएटर में पहुंचकर नारेबाजी की और दर्शकों से हॉल के बाहर जाने को कहा। इसके बाद शो रद्द कर दिया गया। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में रविवार की शाम हिंदूवादी संगठनों ने रैली निकाली। कार्यकर्ता नारेबाजी करते हुए मैग्नेटो मॉल के अंदर घुस गए। पुलिस की बैरिकेडिंग को भी उन्होंने तोड़ दिया। इसके बाद हॉल के सामने बैठकर हनुमान चालीसा का पाठ करने लगे। पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार करके हटाया। लखनऊ की हजरतगंज कोतवाली में भारतीय किसान यूनियन ने डायरेक्टर ओम राउत और राइटर मनोज मुंतशिर के पुतले जलाए। उन्होंने कहा कि यह फिल्म सनातन धर्म का मजाक उड़ाने के लिए बनाई गई है। भारतीय किसान यूनियन के मेंबर्स का कहना है कि सिर्फ फिल्म के डायलॉग बदलने से कुछ नहीं होगा। उन्होंने इस फिल्म पर पूरी तरह से बैन लगाने की मांग की है।

मेकर्स ने डायलॉग बदलने का फैसला किया

विवाद के बाद फिल्म मेकर्स ने विवादित डायलॉग पर बढ़ते विरोध को देखते हुए फिल्म के डायलॉग बदलने का फैसला किया है। फिल्म के राइटर मनोज मुंतशिर ने रविवार को ट्वीट कर सफाई दी कि फिल्म से विवादित डायलॉग इसी हफ्ते हटा दिए जाएंगे।

काठमांडू और पोखरा में आदिपुरुष समेत हिंदी फिल्में बैन

नेपाल में काठमांडू के बाद अब पोखरा में भी आदिपुरुष और अन्य हिंदी फिल्मों को न दिखाने का फैसला किया गया है। फिल्म में सीता को भारत की बेटी बताने पर नेपाली सेंसर बोर्ड ने आपत्ति जताई है। नेपाल सेंसर बोर्ड का कहना है कि सीताजी का जन्म भारत में नहीं, नेपाल के जनकपुर में हुआ था।

नेपाल की आपत्ति पर भी फिल्म में बदलाव हुआ था

फिल्म में सीता के जन्मस्थान को लेकर विवादित बयान को नेपाल सेंसर बोर्ड की आपत्ति के बाद हटा दिया गया था। इसके बाद फिल्म वहां रिलीज करने की अनुमति मिल गई थी। हालांकि बाकी डायलॉग्स को लेकर फिल्म विवादों में बनी रही और अब इसे बैन कर दिया गया है।

राइटर और डायरेक्टर ट्रोल, लोग बोले- मर्यादा को तार-तार किया

फिल्म के डायलॉग्स को लेकर फिल्म के राइटर और डायरेक्टर ट्रोल हो रहे हैं। सोशल मीडिया पर फिल्म का बायकॉट ट्रेंड हो रहा है। लोगों का कहना है कि फिल्म में रामायण को गलत तरीके से दिखाया गया है, जो इस पौराणिक कथा की मर्यादा को तार-तार कर रहा है।

रणजीत टाइम्स
साप्ताहिक अखबार

सिकल सेल रोग के प्रति जागरूकता के लिए हर समुदाय और व्यक्ति का सहयोग जरूरी - राज्यपाल श्री पटेल

राज्यपाल विश्व सिकल सेल दिवस पर मंडला में संगोष्ठी में हुए शामिल

राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा है कि सिकल सेल एनीमिया के उन्मूलन के लिए व्यापक जागरूकता आवश्यक है। सिकल सेल एनीमिया के प्रभावी रोकथाम के लिए प्रबंधन और इलाज में हर समुदाय और व्यक्ति को सहभागी बन कर मानवता की सेवा करनी होगी। राज्यपाल श्री पटेल विश्व सिकल सेल दिवस पर 19 जून को मंडला के सेमरखापा के एकलव्य परिसर में संगोष्ठी और स्क्रीनिंग केम्प को संबोधित कर रहे थे।

राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि मानव सेवा ही प्रभु की सेवा है। सिकल सेल एनीमिया के इलाज के नेक काम में हर कोई यथा-संभव सहयोग करे। केन्द्र सरकार ने वर्ष 2025 तक भारत को टीबी और वर्ष 2047 तक सिकल सेल एनीमिया मुक्त करने का लक्ष्य रखा है। इसे पूरा करने के लिए हम सभी को आगे आना होगा और सरकार का सहयोग करना होगा।

राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि सिकल सेल एनीमिया अनुवांशिक रोग है। इसके उन्मूलन के लिए हर परिवार में जाकर कॉउंसलिंग एवं स्क्रीनिंग करना होगा। साथ ही आँगनवाड़ी केंद्रों में गर्भवती महिलाओं की जाँच करते समय उनके परिवार की बीमारी का इतिहास भी पता करना होगा। उन्होंने कहा कि आँगनवाड़ी केन्द्र, प्राथमिक, माध्यमिक, हायर सेकेंडरी स्कूल और कॉलेजों में जाकर बच्चों की भी समय-समय पर सिकल सेल एनीमिया की जाँच करनी होगी। उन्होंने केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा सिकल सेल एनीमिया के उन्मूलन के लिए चलाये जा रहे विभिन्न कार्यक्रमों और नीतिगत प्रावधानों की जानकारी भी दी। राज्यपाल ने कहा कि केंद्र सरकार ने सिकल सेल एनीमिया के उन्मूलन के लिए बजट में 15 हज़ार करोड़ रूपये का प्रावधान किया है। राज्य शासन ने भी सिकल सेल उन्मूलन जागरूकता और प्रबंधन के लिए राज्य हीमोग्लोबिनोपैथी मिशन की स्थापना की है और स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से अन्य कार्यक्रम भी चलाए जा रहे हैं।

योग एवं खानपान का रखें विशेष ध्यान

राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि सिकल सेल एनीमिया से प्रभावित बच्चे नियमित योग एवं कसरत करें। घर के पौष्टिक खाने को महत्व दें और सादा सात्विक भोजन करें। उन्होंने बच्चों को फास्ट फूड एवं अन्य तेलीय आहार के सेवन से बचने की सलाह भी दी। राज्यपाल श्री पटेल ने केन्द्र एवं राज्य सरकार की बेटियों एवं महिलाओं के सशक्तिकरण की कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी दी।

केन्द्रीय इस्पात एवं ग्रामीण विकास राज्य मंत्री श्री फग्गन सिंह कुलस्ते ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग, आईसीएमआर सहित अन्य तकनीकी संस्थाओं के साथ समन्वय कर सिकल सेल रोग की जाँच में प्रगति लाए। उन्होंने जनजाति बहुल क्षेत्रों में सिकल सेल की जाँच के लिए सघन कार्यक्रम चलाने की बात कही। प्रदेश के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. प्रभुराम चौधरी ने स्वागत भाषण दिया। उन्होंने राज्य सरकार द्वारा सिकल सेल एनीमिया के उन्मूलन, स्क्रीनिंग और प्रबंधन के लिए किए जा रहे विभिन्न प्रयासों की विस्तार से जानकारी दी।

सिकल सेल जागरूकता प्रदर्शनी का अवलोकन

कार्यक्रम में स्वास्थ्य विभाग द्वारा स्क्रीनिंग, जाँच और जागरूकता के लिए प्रदर्शनी भी लगाई गई। राज्यपाल श्री पटेल ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया। उन्होंने सिकल सेल की जाँच में अपनाई जाने वाली प्रक्रिया की चिकित्सकों से जानकारी ली। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन एवं राष्ट्र गान के साथ हुआ। संगोष्ठी में विशेषज्ञों ने सिकलसेल एनीमिया रोग के लक्षण, बचाव तथा प्रबंधन के लिए निर्धारित प्रक्रिया एवं राज्य शासन के सिकल सेल उन्मूलन कार्यक्रमों की पीपीटी से जानकारी दी। राज्य सरकार के सिकलसेल के इलाज के लिए चलाए जाने वाले कार्यक्रमों से लाभान्वित होने वाली 2 बेटियों अर्चना मानिकपुरी एवं प्राची झारिया ने अपने अनुभव बताए और सरकार से मिले सहयोग के लिए आभार माना।

कार्यक्रम में विधायक सर्वश्री देवसिंह सैयाम, डॉ. अशोक मर्सकोले, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री संजय कुशराम सहित जन-प्रतिनिधि, प्रमुख सचिव श्री डी.पी. आहूजा, जनजातीय प्रकोष्ठ के अध्यक्ष श्री दीपक खांडेकर, आयुक्त स्वास्थ्य डॉ. सुदाम खाड़े, आयुक्त जबलपुर संभाग श्री अभय वर्मा, आईजी बालाघाट श्री संजय सिंह, डीआईजी बालाघाट श्री मुकेश श्रीवास्तव, सहित वरिष्ठ अधिकारी, सिकलसेल से प्रभावित बच्चे और परिजन उपस्थित रहे।

निवेश और रोजगार के सशक्त माध्यम हैं एम.एस.एम.ई.- मुख्यमंत्री श्री चौहान

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि आत्म-निर्भर भारत के लिए आत्म-निर्भर मध्यप्रदेश के निर्माण का जो रोडमेप हमने बनाया है, उसके रोम-रोम में सशक्त औद्योगिक परिदृश्य के निर्माण और रोजगार सृजन की भावना रची-बसी है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में 21वीं सदी के आत्म-निर्भर भारत बनाने का जो यज्ञ चल रहा है, उसमें बड़े उद्योगों की भूमिका जितनी अहम है, उतना ही महत्व सूक्ष्म, लघु और मध्यम श्रेणी के उद्यमियों का भी है। युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने में इन उद्यमियों की भूमिका बहुत अधिक महत्वपूर्ण है, यह स्थानीय स्तर पर निवेश और रोजगार के अवसर सृजित करने के सशक्त माध्यम हैं। स्थानीय परिवेश-स्थानीय संसाधनों पर कार्य करने वाली इन इकाइयों की सहायता और विकास के लिए राज्य सरकार हरसंभव सहयोग प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। इसी उद्देश्य से आज हो रही समिट का ध्येय वाक्य **आर्थिक विकास के शुभ संयोग-मध्यप्रदेश के सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योग** रखा गया है।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने होटल आमेर ग्रीन भोपाल में राज्य स्तरीय एमएसएमई समिट का शुभारंभ किया। भोपाल महापौर श्रीमती मालती राय विशेष रूप से उपस्थित थी। समिट में अनेक उद्योग परिसंघ के पदाधिकारी, बड़े औद्योगिक घराने, नव उद्यमी, केन्द्र और राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने दीप प्रज्ज्वलित कर समिट का शुभारंभ किया। मध्यप्रदेश में एमएसएमई की भूमिका पर लघु फिल्म का प्रदर्शन किया गया। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने सफल उद्यमियों को एमएसएमई अवार्ड प्रदान किए और राज्य सरकार एवं देश की प्रतिष्ठित कंपनी और संस्थानों के बीच एम.ओ.यू का आदान-प्रदान भी हुआ। प्रदेश के सभी जिले कार्यक्रम से वर्चुअली जुड़े।

नीतियों में सुधार के बिन्दुओं को सरकार से साझा करें उद्यमी

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मध्यप्रदेश की समृद्धि और विकास के भागीदार हैं। हम मिल-जुल कर कैसे आगे बढ़ सकते हैं, इस पर विचार-विमर्श के लिए यह समिट की गई है। सफलता के लिए उत्साह सबसे आवश्यक है। आप सकारात्मक सोच के साथ ईज ऑफ डूइंग बिजनेस का लाभ उठाते हुए आगे बढ़ें। सरकारी नीतियों में जहाँ सुधार की आवश्यकता हो, उन बिन्दुओं को सरकार के साथ साझा करें। जो भी बेहतर होगा उसे क्रियान्वित किया जाएगा। हम मिल कर काम करेंगे और मध्यप्रदेश को आगे बढ़ाएंगे। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में भारत को विश्व में अग्रणी बनाने के लिए हम सब प्रतिबद्ध हैं।

मुख्यमंत्री सीखो कमाओ योजना के क्रियान्वयन में सहयोग करें

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि स्व-रोजगार और छोटे उद्योगों को सहायता के लिए प्रदेश में 12 योजनाएँ संचालित हैं। मुख्यमंत्री सीखो कमाओ योजना भी लागू की जा रही है, जिसमें 700 कार्य चिन्हित किए गए हैं। उद्यमी इस योजना से जुड़ें, युवाओं को जोड़ें, उन्हें दक्ष बनाएँ और योजना का लाभ उठाएँ। यह योजना उद्यमियों, रोजगार के इच्छुक युवाओं के लिए उपयोगी और मध्यप्रदेश को सक्षम एवं आत्म-निर्भर बनाने के लिए प्रभावी है।

उद्योगों की आवश्यकता के अनुरूप हैं शासन की नीतियाँ

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि हर स्तर के उद्योगों की आवश्यकता के अनुरूप नीतियाँ और योजनाएँ बनाकर उनका क्रियान्वयन किया जा रहा है। प्रदेश में उपलब्ध प्रचुर खनिज संसाधन, पर्याप्त लैण्डबैंक, सुविकसित सड़क अधो-संरचना, बढ़ती कृषि उत्पादकता और निवेश अनुकूल नीतियों से औद्योगिक विकास की अपार संभावनाएँ मौजूद हैं। एमएसएमई सेक्टर के विकास के लिए पृथक से विभाग गठित किया गया है। स्टार्टअप को प्रोत्साहित करने और उन्हें बेहतर ईको सिस्टम उपलब्ध कराने के लिए कई प्रावधान किए गए हैं। बेहतर सड़क नेटवर्क के साथ एक्सप्रेस-वे विकसित किए जा रहे हैं। साथ ही निवेश गलियारों का भी निर्माण होगा। बेहतर औद्योगिक अधो-संरचना सुविधा के लिए उद्योगों के क्लस्टर विकसित किए जा रहे हैं। **एक जिला-एक उत्पाद** से रोजगार के नए अवसर सृजित हो रहे हैं। दक्ष मानव संसाधन की उपलब्धता के लिए ग्लोबल स्किल पार्क के साथ संभाग और जिला स्तर पर आई.आई.टी को भी सशक्त किया जा रहा है।

प्रदेश ने वित्तीय प्रबंधन की अनूठी मिसाल प्रस्तुत की

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि प्रदेश निरंतर विकास की ओर अग्रसर है। हम अब बीमारू राज्य नहीं हैं। मध्यप्रदेश की जीएसडीपी का आकार 15 लाख करोड़ पार कर चुका है। राज्य की परकेपिटा इन्कम एक लाख 40 हजार रूपए हो गई है। इस वर्ष का बजट 3 लाख 14 हजार करोड़ रूपए का है। प्रदेश ने वित्तीय प्रबंधन की अनूठी मिसाल प्रस्तुत की है। राज्य सरकार लाड़ली बहनों को प्रतिमाह एक हजार रूपए देने और केपिटल एक्सपेंडिचर बढ़ाने का कार्य एक साथ कर रही है।

प्रदेश में बना उद्यमशीलता का वातावरण- मंत्री श्री सखलेचा

सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री श्री ओमप्रकाश सखलेचा ने कहा कि हमारा विभाग अर्थ-व्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान देने वाला विभाग है। सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों को सबसे अधिक आवश्यकता तकनीकी अपग्रेडेशन की है। मुख्यमंत्री श्री चौहान के सहयोग, मार्गदर्शन और उदारता से प्रदेश में उद्यमशीलता का वातावरण बना है। राज्य सरकार औद्योगिक क्लस्टर्स के साथ डिस्प्ले सेंटर और ऑनलाइन कनेक्टिविटी को प्रोत्साहित कर रही है। प्रदेश में उत्पादित सामग्री की बेहतर मार्केटिंग के लिए भी बेहतर प्रयास हो रहे हैं।

उद्यमी हुए सम्मानित

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने वर्ष 2018-19, 2019-20 और 2020-21 के लिए एमएसएमई अवार्ड प्रदान किए। प्रभावी कार्य संस्कृति और बेस्ट प्रेक्टिसेस अपनाने के लिए वर्ष 2018-19 का प्रथम पुरस्कार आईटीएल इंडस्ट्रीज लिमिटेड इंदौर को, द्वितीय पुरस्कार शास्त्री सर्जिकल इण्डस्ट्रीज रायसेन और तृतीय पुरस्कार शक्ति एम्पोरियम झाबुआ को प्रदान किया गया। महिला उद्यमियों में मंत्रा कम्पोजिट इंदौर की श्रीमती ममता महाजन को पुरस्कृत किया गया। वर्ष 2019-20 के लिए नंदिनी मेडिकल लेबोरेट्रीज इंदौर को प्रथम, न्यू लाईफ लेबोरेट्रीज मण्डीदीप रायसेन को द्वितीय और सेफफ्लेक्स इंटरनेशनल धार को तृतीय पुरस्कार प्रदान किया गया। वर्ष 2020-21 के लिए मॉर्डन लेबोरेट्रीज इंदौर को प्रथम, डीसीजी इंटरनेशनल मण्डीदीप रायसेन को द्वितीय और हेल्थीको क्वालिटी प्रोडक्ट्स धार को तृतीय पुरस्कार प्राप्त हुआ। वर्ष 2020-21 में महिला उद्यमियों की श्रेणी में सांई मशीन टूल्स इंदौर की श्रीमती शिखा विशाल जायसवाल और श्रीमती निहारिका अजय जायसवाल तथा अर्थव पैकेजिंग इंदौर की श्रीमती ममता शर्मा को पुरस्कृत किया गया। मुख्यमंत्री श्री चौहान की उपस्थिति में एनएसई इंडिया, वॉलमार्ट, आरएक्सआईएल, इनवॉइस मार्ट तथा आइसेक्ट के साथ एम.ओ.यू. का आदान-प्रदान हुआ। सचिव एमएसएमई श्री पी. नरहरि ने अतिथियों का स्वागत किया तथा समिट और विभागीय कार्यक्रमों एवं योजनाओं की जानकारी दी। समिट में 6 सत्र होना हैं, जिनसे उद्यमियों, विषय-विशेषज्ञों और युवाओं को उद्यमिता के लिए मार्गदर्शन प्राप्त होगा। सत्रों को ऐसा डिजाइन किया गया है, जिससे अलग-अलग क्षेत्रों में नई संभावनाओं पर विशेष फोकस रहे। समिट में एमएसएमई के लिए टेक्नालॉजी ट्रांसफर, न्यू एज फाइनेंस, अंतर्राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा, महिला उद्यमिता को प्रोत्साहन और डिजिटल रूपांतरण विषयों पर विशेष सत्र होंगे। समिट में संयुक्त राष्ट्र औद्योगिक विकास संगठन के भारत प्रतिनिधि श्री रेने वान बर्कल, फिक्की फ्लो की राष्ट्रीय अध्यक्ष सुश्री सुधा शिवकुमार, कोप्पल टॉय क्लस्टर के सीईओ श्री किशोर राव, राष्ट्रीय अनुसंधान विकास निगम के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक कमोडोर अमित रस्तोगी (सेवानिवृत्त), भारतीय लोक प्रशासन संस्थान के महानिदेशक श्री सुरेंद्र नाथ त्रिपाठी और लघु उद्योग भारती के अध्यक्ष श्री महेश गुप्ता उपस्थित थे। इन्वेस्ट इंडिया, एसोचेम इंडिया, सीआईआई, फिक्की, पीएचडी चेम्बर्स ऑफ कॉमर्स एण्ड इंडस्ट्री और डिक्की के प्रतिनिधि समिट में शामिल हुए।

यादव समाज के कार्यक्रम में पहुँचे सीएम

मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान रविवार शाम को इंदौर आए। इस पर अवसर पर एयरपोर्ट पर स्थानीय नेताओं ने उनकी अगवानी की। मुख्यमंत्री यहां से सीधे अभय प्रशाल के लिए रवाना हुए। रास्ते में लाड़ली बहनों ने उनका जगह-जगह स्वागत किया। मुख्यमंत्री को बांधने के लिए आंगनवाड़ी सहायिका ने 30 फीट लंबी राखी बनवाई है सीएम ने भी बहनों के लिए फूलों का तारों का सबका कहना है गाना गाया।

सीएम शिवराज का ऐलान- मध्य प्रदेश में जहां भी भगवान कृष्ण ने लीलाएं की उन स्थानों का होगा विकास

भगवान श्रीकृष्ण ने उज्जैन में महर्षि सांदीपनि के जिस आश्रम में रहकर शिक्षा ग्रहण की, उस स्थल को विकसित किया जाएगा। केवल सांदीपनि आश्रम ही नहीं, मध्यप्रदेश में जहां-जहां भी भगवान कृष्ण ने लीलाएं की, उन स्थलों का विकास होगा। इससे समाज ही नहीं संपूर्ण देशवासी प्रेरणा लेंगे। स्वतंत्रता संग्राम के अमर बलिदानी राव तुलाराम की स्मारक भी इंदौर में बनाया जाएगा।

इंदौर के डीआरपी लाइन में आयोजित कार्यक्रम में लाड़ली बहनों ने राखी बांधकर लाड़ली बहना योजना के लिए अभिनंदन किया व आभार जताया।

जगह-जगह स्वागत मंच, एयरपोर्ट से वीआईपी रोड तक हर चौराहे पर लगा जाम; 2 घंटे तक लोग परेशान होते रहे

भाजपा के आयोजन में स्वागत के लिए रविवार को शहर में कई स्थानों पर लगाए गए मंचों पर भीड़ जुटने के कारण लोग जाम में फंस गए। एयरपोर्ट रोड से मरीमाता तक और बड़ा गणपति चौराहा से मल्हारगंज तक वाहन चालक फंसे रहे। पंचशीलनगर से लेकर लैंटर्न चौराहे तक जहां भी मंच बने थे, उसके आसपास के मार्ग डेढ़ से दो घंटे जाम रहे, क्योंकि वीवीआईपी मूवमेंट के काफी पहले वह हिस्सा बंद कर दिया गया था। जाम में फंसे कई लोगों को एयरपोर्ट पहुंचने में एक घंटा अतिरिक्त लगा। जिस रास्ते से आगे बढ़े वहां जाम लगा था।

सिंचाई के क्षेत्र में मिले राष्ट्रीय पुरस्कार के लिए जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट ने मुख्यमंत्री को मिठाई खिलाकर स्वागत किया। कहा कि यह उनके नेतृत्व के कारण संभव हो रहा है।

यादव समाज के लिए शासन हर संभव करेगा मदद

रात 8 बजे वे अभय प्रशाल में आयोजित यादव समाज के प्रतिभा समारोह सम्मेलन में पहुंचे। इसके पूर्व बाहर उनका जोरदार स्वागत हुआ। यहां बहनों ने उन्हें 30 फीट लम्बी राखी भेंट की और आरती उतारी। इस दौरान जमकर आतिशबाजी की गई।

इसके बाद मुख्यमंत्री ने यादव समाज की प्रतिभाओं का सम्मान किया। इस अवसर पर उन्होंने इंदौर में अमर शहीद राव तुलाराम की प्रतिमा स्थापित करने एवं स्मारक बनाने तथा पद्मश्री डॉ.भक्ति यादव की प्रतिमा उपयुक्त स्थल पर लगाये जाने की घोषणा भी की।

मुख्यमंत्री ने संबोधन में कहा कि यादव समाज का सेना, खेल, चिकित्सा, धर्म सहित कई क्षेत्रों में काफी योगदान रहा है। समाज के कई लोगों ने देश के लिए समर्पण किया है। इस समाज में प्रतिभाओं की कमी नहीं है। सभी मामलों में समाज को सहयोग किया जाएगा मुख्यमंत्री सांसद शंकर लालवानी के निवास पहुंचे और उनकी दिवंगत माताजी को श्रद्धा सुमन अर्पित किए। वे वरिष्ठ नेता व कवि सत्यनारायण सत्तन के घर भी पहुंचे और उनके दिवंगत भाई को श्रद्धांजलि अर्पित की।

पापा आप का वो साथ

पापा आप का वो साथ , आज भी याद आता है !!
आप के बगैर मुझे बड़ा बेचैन सा लगता है!!
आप की वजह से हमारी शान थी!!
मौज भी थी और मस्ती भी!!
जब भूख लगे तो आप प्यार से खिलाते!!
संकट के बदलो में आप परिवार के सामने छत से खड़ा होते

हर मुश्किल से लड़ना सिखाया आपने!
खुद दुखो का सामना कर सुख दिया आपने!!
अपना शरीर जलाकर!!
हमारा आशियाना बनाया आपने!
भूख प्यास सब भूलकर !
हमारे लिए दाना पानी लाया आपने!!
बड़ी याद आती है पापा आपकी!
आप जहां में हो !जहां भी ,हो!!
खुश रहो !!यही दुआ है हम सबकी!!
मेरे गुरु ,मेरे आदर्श ,मेरे अन्ना
आप सदैव मेरे साथ रहेंगे!!
कवी-गोपाल गावंडे इंदौर

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक गोपाल गावंडे द्वारा पंकज प्रिन्टर्स एण्ड पैकेजिंग एल.यू.एन.22 सेक्टर एफ सांवेर रोड इण्डस्ट्रीयल एरिया ,इंदौर,म.प्र. एवं जी-1,कॉस्मिक रीजेन्सी 117 गोकुल नगर कनाडिया इंदौर, म.प्र. से प्रकाशित - संपादक गोपाल गावन्डे (पी.आर.बी.) एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार (समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र इंदौर रहेगा)